B.A.- II (music)

* प्र०- मेलाडी क्या है? मेलाडी और हार्मनी में क्या अन्तर है।

उत्तर- स्वरों के क्रमिक उच्चारण या वादन को मेलाडी कहा गया है। जैसे- सा, ग, प आदि को एक दूसरे के बाद गाया-बजाया जाय, किन्तु जब इन्हीं स्वरों को अर्थात् मेल खाते स्वरों को एक साथ उत्पन्न किया जाय तो हार्मनी की रचना होगी। हमारा हिन्दुस्तानी संगीत मेलाडी प्रधान है, क्योंकि क्रमिक स्वरोच्चारण इसकी विशेषता है। अगर ~~कई~~ कई व्यक्ति या वादक मिलकर किसी रचना को एक स्वर से एक साथ गाते-बजाते हैं तो उन ध्वनियों से मेलाडी उत्पन्न होगी, क्योंकि इसमें किसी भी समय में एक से अधिक स्वरों की उत्पत्ति नहीं हो रही है। विभिन्न वाद्यों में पृथक-पृथक स्वर एक साथ बजाये जायें और उत्पन्न सामूहिक ध्वनि मधुर लगे तो उसे हार्मनी कहेंगे।

मेलाडी एवं हार्मनी में अन्तर :-

1) मेलाडी में स्वरों का पृथक-पृथक उच्चारण होता है और हार्मनी में कई स्वरों का एक साथ उच्चारण होता है।

Scanned with CamScanner

2) मेलाडी में प्रत्येक स्वर का संबंध षडज से होता है, किन्तु हार्मनी में उत्पन्न विभिन्न स्वरों का पारस्परिक संबंध प्रमुख है।

3) मेलाडी व्यक्ति के आन्तरिक भावनाओं को और हार्मनी बाह्य वातावरण को व्यक्त करने में सफल होती है।

4) मेलाडी हार्मनी पर आधारित है क्योंकि इसकी रचना स्वर-सम्वाद से हुई है।

5) मेलाडी के लिए एक कण्ठ या एक वाद्य प्रयाप्त है, किन्तु हार्मनी में एक से अधिक कण्ठों या वाद्यों की आवश्यकता होती है। इसलिये भारत में एकल संगीत व पाश्चमी देशों में सामूहिक गान और वृन्द-वादन अधिक प्रचलित है।

6) व्यक्तिगत भावों के लिए मेलाडी और सामूहिक भाव-प्रदर्शन के लिये हार्मनी उपयुक्त है।

—

Scanned with CamScanner